

# BACHELOR OF ARTS (GENERAL) (BAG)

## Term-End Examination DECEMBER

### BPSC-133: COMPARATIVE GOVERNMENT AND POLITICS

#### “IMPORTANT QUESTIONS”

#### 2<sup>ND</sup> PART

Write about the multi-party system in India.

भारत में बहुदलीय व्यवस्था पर टिप्पणी कीजिए।

India follows a **multi-party system** of democracy, where multiple political parties contest elections and play a significant role in the governance of the country. This system ensures a broad representation of various interests, ideologies, and regional concerns, making the political environment dynamic and diverse.

भारत में बहुदलीय व्यवस्था एक लोकतांत्रिक प्रणाली है, जिसमें कई राजनीतिक दल चुनावों में भाग लेते हैं और देश के शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह व्यवस्था विभिन्न हितों, विचारधाराओं और क्षेत्रीय मुद्दों का व्यापक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करती है, जिससे राजनीतिक माहौल गतिशील और विविधतापूर्ण रहता है।

#### Features of the Multi-Party System

The Indian multi-party system is characterized by the existence of several national, regional, and state-level parties. These parties represent various ideological, social, and cultural groups. The system is decentralized, as power is shared between the central government and state governments.

भारत की बहुदलीय व्यवस्था की विशेषताएँ विभिन्न राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और राज्य-स्तरीय दलों के अस्तित्व से पहचानी जाती हैं। ये दल विभिन्न वैचारिक, सामाजिक और सांस्कृतिक समूहों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह व्यवस्था विकेंद्रीकृत है, क्योंकि शक्ति केंद्रीय सरकार और राज्य सरकारों के बीच साझा की जाती है।

#### Major National and Regional Parties

India has several **national parties** like the **Bharatiya Janata Party (BJP)**, **Indian National Congress (INC)**, and **Communist Party of India (CPI)**, which have a wide influence across the country. However, regional parties like the **Trinamool Congress (TMC)** in West Bengal, the **Shiv Sena** in Maharashtra, and the **DMK** in Tamil Nadu also hold considerable power and influence within their respective states.

भारत में कई प्रमुख राष्ट्रीय दल जैसे भारतीय जनता पार्टी (BJP), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (CPI) हैं, जिनका पूरे देश में व्यापक प्रभाव है। हालांकि, क्षेत्रीय दल जैसे तृणमूल कांग्रेस (TMC) पश्चिम बंगाल में, शिव सेना महाराष्ट्र में, और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (DMK) तमिलनाडु में भी अपने-अपने राज्यों में महत्वपूर्ण सत्ता और प्रभाव रखते हैं।

## Role of Regional Parties

Regional parties play a crucial role in India's political system, especially in coalition governments. They often form alliances with national parties to provide the necessary majority in the parliament. For example, the **All India Anna Dravida Munnetra Kazhagam (AIADMK)** and **DMK** in Tamil Nadu have significantly influenced the central government's policies.

क्षेत्रीय दल भारत की राजनीतिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, विशेष रूप से गठबंधन सरकारों में। ये अक्सर राष्ट्रीय दलों के साथ गठबंधन करते हैं ताकि संसद में आवश्यक बहुमत प्राप्त कर सकें। उदाहरण के लिए, तमिलनाडु में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (AIADMK) और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (DMK) ने केंद्रीय सरकार की नीतियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है।

## Advantages of the Multi-Party System

1. **Representation of Diverse Interests:** The multi-party system ensures that a wide range of views, interests, and social groups are represented in the political system. This helps in the inclusivity of different communities and cultures, which strengthens national unity.

**1. विविध हितों का प्रतिनिधित्व:** बहुदलीय व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि राजनीतिक प्रणाली में विभिन्न विचारों, हितों और सामाजिक समूहों का प्रतिनिधित्व हो। यह विभिन्न समुदायों और संस्कृतियों की समावेशनता में मदद करता है, जो राष्ट्रीय एकता को सशक्त बनाता है।

2. **Coalition Governments:** The system facilitates the formation of coalition governments, which, though sometimes unstable, promote cooperation among diverse political parties.

**2. गठबंधन सरकारें:** यह व्यवस्था गठबंधन सरकारों के गठन को प्रोत्साहित करती है, जो कभी-कभी अस्थिर होती हैं, लेकिन विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच सहयोग को बढ़ावा देती हैं।

3. **Check on Centralization:** With regional parties holding power in states, it prevents the excessive centralization of power in the hands of the central government, fostering a more balanced system.

**3. केंद्रीकरण पर नियंत्रण:** जब क्षेत्रीय दल राज्य सरकारों में सत्ता में होते हैं, तो यह केंद्रीय सरकार के हाथों में सत्ता के अत्यधिक केंद्रीकरण को रोकता है, जिससे अधिक संतुलित प्रणाली का निर्माण होता है।

## Disadvantages of the Multi-Party System

1. **Coalition Instability:** While coalitions allow for broader representation, they often lead to unstable governments, as the support of smaller parties can be fickle. For example, in 1996, the **United Front Government** failed due to lack of cohesion among various parties.

**1. गठबंधन की अस्थिरता:** जबकि गठबंधन व्यापक प्रतिनिधित्व की अनुमति देते हैं, वे अक्सर अस्थिर सरकारों का कारण बनते हैं, क्योंकि छोटे दलों का समर्थन अस्थिर हो सकता है। उदाहरण के लिए, 1996 में **यूनाइटेड फ्रंट सरकार** विभिन्न दलों के बीच एकजुटता की कमी के कारण विफल हो गई थी।

2. **Fragmentation of Votes:** In a multi-party system, the fragmentation of votes among several parties can lead to the emergence of a government with a small majority, or even a minority government, which can make governance challenging.

**2. मतों का विभाजन:** बहुदलीय व्यवस्था में कई दलों के बीच मतों का विभाजन ऐसी सरकार के उभरने का कारण बन सकता है, जो छोटे बहुमत के साथ या यहां तक कि अल्पसंख्यक सरकार के रूप में हो, जिससे शासन करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

3. **Corruption and Defections:** In coalition politics, smaller parties may demand disproportionate benefits in exchange for support, leading to corruption and defections, as seen during the **2013 Telangana movement** when political parties shifted loyalties for personal gains.

**3. भ्रष्टाचार और अपवर्तन:** गठबंधन राजनीति में, छोटे दल समर्थन के बदले असमान लाभ की मांग कर सकते हैं, जिससे भ्रष्टाचार और अपवर्तन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जैसा कि **2013 तेलंगाना आंदोलन** के दौरान देखा गया था, जब राजनीतिक दल व्यक्तिगत लाभ के लिए अपनी निष्ठाएं बदलने लगे थे।

## Conclusion

The multi-party system in India provides a robust framework for democracy, ensuring diverse representation and regional autonomy. However, it also presents challenges such as instability and corruption. Despite these challenges, the system continues to thrive due to the country's democratic values and the ability of political parties to adapt to changing circumstances.

भारत में बहुदलीय व्यवस्था लोकतंत्र के लिए एक मजबूत ढांचा प्रदान करती है, जो विविध प्रतिनिधित्व और क्षेत्रीय स्वायत्तता सुनिश्चित करती है। हालांकि, यह अस्थिरता और भ्रष्टाचार जैसे चुनौतियाँ भी प्रस्तुत करती है। इन चुनौतियों के बावजूद, यह व्यवस्था देश के लोकतांत्रिक मूल्यों और राजनीतिक दलों की बदलती परिस्थितियों के अनुकूल ढालने की क्षमता के कारण फल-फूल रही है।

**Explain the differences between totalitarian and military dictatorship.**

**अधिनायकवादी और सैनिक तानाशाही राजनीतिक व्यवस्था के मुख्य अंतर को रेखांकित कीजिए।**

**Totalitarian Dictatorship** and **Military Dictatorship** are both forms of authoritarian rule, but they differ significantly in their structure, approach, and control over society.

अधिनायकवादी और सैनिक तानाशाही दोनों ही अधिनायकवादी शासन के रूप हैं, लेकिन इनकी संरचना, दृष्टिकोण और समाज पर नियंत्रण में महत्वपूर्ण अंतर होता है।

## 1. Nature of Power

- **Totalitarian Dictatorship:** In a totalitarian regime, the leader or the ruling party seeks to control not just the government but also all aspects of public and private life, including the economy, education, culture, and even personal beliefs. The leader often uses propaganda, surveillance, and repression to maintain complete control.

**अधिनायकवादी तानाशाही:** अधिनायकवादी शासन में, शासक या शासक पार्टी केवल सरकार को ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक और व्यक्तिगत जीवन के सभी पहलुओं को नियंत्रित करने की कोशिश करती है, जैसे कि अर्थव्यवस्था, शिक्षा, संस्कृति और यहां तक कि व्यक्तिगत विश्वासों को भी। शासक अक्सर प्रचार, निगरानी और दमन का उपयोग करके पूर्ण नियंत्रण बनाए रखते हैं।

- **Military Dictatorship:** In a military dictatorship, power is primarily in the hands of the military, often after a coup or a period of military rule. The leader is typically a high-ranking military officer or a group of officers, and their main goal is to maintain control over the state and secure the military's interests, rather than regulating all aspects of society.

**सैनिक तानाशाही:** सैनिक तानाशाही में, सत्ता मुख्य रूप से सेना के हाथों में होती है, जो अक्सर एक तख्तापलट या सैन्य शासन के बाद होती है। शासक आम तौर पर एक उच्च रैंकिंग सैन्य अधिकारी या अधिकारियों का समूह होता है, और उनका मुख्य उद्देश्य राज्य पर नियंत्रण बनाए रखना और सेना के हितों की रक्षा करना होता है, न कि समाज के सभी पहलुओं को नियंत्रित करना।

## 2. Control Over Society

- **Totalitarian Dictatorship:** The control in a totalitarian system is total, encompassing every aspect of the individual's life. There is pervasive censorship of media, restriction on freedoms of speech and assembly, and a focus on uniformity of thought. The state aims to create a society where every person adheres to the ruling ideology.

**अधिनायकवादी तानाशाही:** अधिनायकवादी व्यवस्था में नियंत्रण पूर्ण होता है, जो व्यक्ति के जीवन के हर पहलु को प्रभावित करता है। मीडिया पर व्यापक सेंसरशिप, भाषण और सभा की स्वतंत्रता पर पाबंदी, और विचारों की एकरूपता पर जोर दिया जाता है। राज्य का उद्देश्य एक ऐसा समाज बनाना होता है, जहाँ हर व्यक्ति शासक विचारधारा का पालन करे।

- **Military Dictatorship:** Military dictatorships tend to focus more on political and military control rather than cultural or ideological control. While civil liberties may be restricted and dissent suppressed, there is usually less emphasis on controlling the daily lives of individuals compared to a totalitarian state.

**सैनिक तानाशाही:** सैनिक तानाशाही मुख्य रूप से राजनीतिक और सैन्य नियंत्रण पर अधिक ध्यान देती है, न कि सांस्कृतिक या वैचारिक नियंत्रण पर। जबकि नागरिक स्वतंत्रताएं सीमित हो

सकती हैं और विरोध को दबाया जा सकता है, लेकिन आमतौर पर एक अधिनायकवादी राज्य की तुलना में व्यक्तियों के दैनिक जीवन पर नियंत्रण पर कम जोर दिया जाता है।

### 3. Ideology and Propaganda

- **Totalitarian Dictatorship:** A totalitarian regime typically has a well-defined ideology that the leader or ruling party imposes on the entire society. This ideology is often spread through state-controlled media, education, and propaganda. The leader is seen as the ultimate authority, and there is usually a cult of personality surrounding them.

**अधिनायकवादी तानाशाही:** एक अधिनायकवादी शासन में आमतौर पर एक स्पष्ट विचारधारा होती है, जिसे शासक या शासक पार्टी समाज पर थोपती है। यह विचारधारा आमतौर पर राज्य-नियंत्रित मीडिया, शिक्षा और प्रचार के माध्यम से फैलाई जाती है। शासक को सर्वोच्च प्राधिकरण माना जाता है, और उनके चारों ओर अक्सर एक व्यक्तित्व पूजा होती है।

- **Military Dictatorship:** Military dictatorships are usually less focused on ideological control and more concerned with maintaining order, national security, and the power of the military. While propaganda may still be used, it tends to revolve around national unity, strength, and the legitimacy of military rule, rather than promoting a specific ideology.

**सैनिक तानाशाही:** सैनिक तानाशाही आमतौर पर विचारधारात्मक नियंत्रण पर कम ध्यान देती है और अधिकतर व्यवस्था बनाए रखने, राष्ट्रीय सुरक्षा और सेना की शक्ति पर केंद्रित होती है। हालांकि प्रचार का उपयोग किया जा सकता है, यह सामान्यतः राष्ट्रीय एकता, शक्ति और सैन्य शासन की वैधता के इर्द-गिर्द घूमता है, न कि किसी विशेष विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए।

### 4. Method of Governance

- **Totalitarian Dictatorship:** The leader in a totalitarian regime governs with absolute power, often backed by a single-party system or a personalist dictatorship. The government employs extensive surveillance, secret police, and political repression to eliminate opposition and control the masses.

**अधिनायकवादी तानाशाही:** अधिनायकवादी शासन में, शासक पूर्ण सत्ता के साथ शासन करते हैं, जो अक्सर एक एकल-दलीय प्रणाली या व्यक्तिगत तानाशाही द्वारा समर्थित होती है। सरकार विपक्ष को समाप्त करने और जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए व्यापक निगरानी, गुप्त पुलिस और राजनीतिक दमन का उपयोग करती है।

- **Military Dictatorship:** In a military dictatorship, the military plays a central role in governance, and the rule is often enforced by military force rather than propaganda or ideology. Military dictatorships may have a more pragmatic approach, focusing on maintaining stability and order, and may not necessarily impose a single ideology on the population.

**सैनिक तानाशाही:** सैनिक तानाशाही में, सेना शासन में केंद्रीय भूमिका निभाती है, और शासन अक्सर सैन्य शक्ति के माध्यम से लागू किया जाता है, न कि प्रचार या विचारधारा द्वारा। सैनिक

तानाशाही अधिक व्यावहारिक दृष्टिकोण अपना सकती है, जो स्थिरता और व्यवस्था बनाए रखने पर केंद्रित होती है, और यह जरूरी नहीं कि जनसंख्या पर एकल विचारधारा थोपे।

## 5. Examples

- **Totalitarian Dictatorship: North Korea** is a prime example of a totalitarian dictatorship, where the ruling Kim family controls every aspect of the state and society, including the media, economy, and personal freedoms.

**अधिनायकवादी तानाशाही: उत्तर कोरिया** एक प्रमुख उदाहरण है, जहां शासक किम परिवार राज्य और समाज के हर पहलु को नियंत्रित करता है, जिसमें मीडिया, अर्थव्यवस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रताएं शामिल हैं।

- **Military Dictatorship: Myanmar** has experienced military dictatorship several times in its history, with the military taking control after coups. The military junta controls the country, but it is primarily concerned with maintaining military power rather than enforcing a specific ideology.

**सैनिक तानाशाही: म्यांमार** ने अपने इतिहास में कई बार सैनिक तानाशाही का अनुभव किया है, जब सैन्य शासकों ने तख्तापलट के बाद नियंत्रण संभाला। सैन्य जुंटा देश पर नियंत्रण करता है, लेकिन इसका मुख्य ध्यान सैन्य शक्ति बनाए रखने पर है, न कि किसी विशेष विचारधारा को लागू करने पर।

## Conclusion

In summary, while both **totalitarian dictatorships** and **military dictatorships** are forms of authoritarian rule, the key difference lies in the scope of control and the role of the military. Totalitarian regimes aim to control all aspects of society through a single ideology, whereas military dictatorships focus primarily on maintaining political and military control, often without enforcing an overarching ideology.

निष्कर्ष में, जबकि दोनों अधिनायकवादी तानाशाही और सैनिक तानाशाही अधिनायकवादी शासन के रूप हैं, मुख्य अंतर नियंत्रण के दायरे और सेना की भूमिका में है। अधिनायकवादी शासन समाज के सभी पहलुओं को एक विचारधारा के माध्यम से नियंत्रित करने का प्रयास करता है, जबकि सैनिक तानाशाही मुख्य रूप से राजनीतिक और सैन्य नियंत्रण बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करती है, अक्सर बिना कोई व्यापक विचारधारा लागू किए।

**Write short notes on the following.**

**Feminism**

**नारीवाद**

**Globalisation**

**वैश्वीकरण/भूमंडलीकरण**

**Communitarianism**

**समूहवाद**

**Feminism**

Feminism is a movement that advocates for equal rights and opportunities for women. It challenges the societal norms that perpetuate gender discrimination, fighting for equality in areas such as education, healthcare, politics, and the workplace. The movement has evolved over time, and today, it addresses issues like reproductive rights, sexual harassment, and gender-based violence.

**नारीवाद** एक आंदोलन है जो महिलाओं के लिए समान अधिकारों और अवसरों का समर्थन करता है। यह उन सामाजिक मानदंडों को चुनौती देता है जो लिंग भेदभाव को बढ़ावा देते हैं, और शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, राजनीति और कार्यस्थल जैसे क्षेत्रों में समानता के लिए संघर्ष करता है। समय के साथ यह आंदोलन विकसित हुआ है, और आज यह प्रजनन अधिकार, यौन उत्पीड़न और लिंग आधारित हिंसा जैसे मुद्दों को संबोधित करता है।

Feminism also highlights the intersectionality of gender with other social factors like race, class, and sexuality. The movement recognizes that the experiences of women are diverse and shaped by various identities and circumstances. Feminists work to ensure that all women, regardless of their background, have the ability to live with dignity and equality.

नारीवाद यह भी बताता है कि लिंग का अन्य सामाजिक तत्वों जैसे जाति, वर्ग और यौन पहचान से किस प्रकार का संबंध है। यह आंदोलन मानता है कि महिलाओं के अनुभव विविध होते हैं और विभिन्न पहचानों और परिस्थितियों से प्रभावित होते हैं। नारीवादी यह सुनिश्चित करने के लिए काम करते हैं कि सभी महिलाएँ, उनके पृष्ठभूमि के बावजूद, गरिमा और समानता के साथ जी सकें।

## **Globalisation**

Globalisation refers to the increasing interconnectedness of the world, driven by advances in trade, communication, and technology. It has led to the expansion of international markets, allowing businesses to reach customers worldwide. Globalisation has facilitated cultural exchange, enabling ideas, languages, and technologies to spread across borders.

**वैश्वीकरण** उस बढ़ती हुई आपसी जुड़ाव को कहा जाता है जो व्यापार, संचार और प्रौद्योगिकी में प्रगति के कारण हो रहा है। इसके कारण अंतरराष्ट्रीय बाजारों का विस्तार हुआ है, जिससे व्यवसायों को दुनिया भर के ग्राहकों तक पहुँचने का अवसर मिला है। वैश्वीकरण ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी सुगम बनाया है, जिससे विचार, भाषाएँ और प्रौद्योगिकियाँ सीमाओं के पार फैल सकी हैं।

However, while globalisation has brought economic growth and access to global markets, it has also raised concerns about inequality and cultural homogenisation. The gap between rich and poor nations has widened, and many fear that local cultures may be overshadowed by dominant global cultures. Environmental concerns, such as resource exploitation and climate change, have also become more prominent.

हालाँकि, वैश्वीकरण ने आर्थिक विकास और वैश्विक बाजारों तक पहुँच प्रदान की है, लेकिन इसके साथ ही असमानता और सांस्कृतिक समानता के बारे में चिंताएँ भी उठी हैं। अमीर और गरीब देशों के बीच अंतर बढ़ गया है, और कई लोगों को यह डर है कि स्थानीय संस्कृतियाँ प्रभुत्वशाली वैश्विक संस्कृतियों से दब सकती हैं। पर्यावरणीय चिंताएँ, जैसे संसाधनों का शोषण और जलवायु परिवर्तन, भी अधिक प्रमुख हो गई हैं।

## **Communitarianism**

Communitarianism is a social and political philosophy that focuses on the importance of community and social bonds over individualism. It argues that individuals are not isolated beings, but are shaped by their relationships with others. Therefore, the well-being of the community should be prioritized alongside individual rights.

**समूहवाद** एक सामाजिक और राजनीतिक दर्शन है जो व्यक्तिगतता से ऊपर समुदाय और सामाजिक संबंधों के महत्व पर ध्यान केंद्रित करता है। यह तर्क करता है कि व्यक्ति पृथक प्राणी नहीं हैं, बल्कि वे दूसरों के साथ अपने संबंधों द्वारा आकारित होते हैं। इसलिए, समुदाय की भलाई को व्यक्तिगत अधिकारों के साथ प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

Communitarians emphasize the need for shared moral values, civic responsibility, and social solidarity. They believe that social cohesion is vital for a functioning society, and individuals should contribute to the collective good. While individual rights are important, communitarianism stresses that they should not undermine the social responsibilities that come with being part of a community.

समूहवादियों का मानना है कि साझा नैतिक मूल्यों, नागरिक जिम्मेदारी और सामाजिक एकता की आवश्यकता है। वे मानते हैं कि सामाजिक एकजुटता एक कार्यशील समाज के लिए महत्वपूर्ण है, और व्यक्तियों को सामूहिक भलाई में योगदान देना चाहिए। जबकि व्यक्तिगत अधिकार महत्वपूर्ण हैं, समूहवाद यह तर्क करता है कि इन्हें समुदाय का हिस्सा होने के नाते मिलने वाली सामाजिक जिम्मेदारियों को कमजोर नहीं करना चाहिए।